

(राजस्थान-सरकार)

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, बारों (राज.)

पीठासीन अधिकारी सत्यनारायण आमेटा (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या :- 76/2022

बउनवान

राज0 सरकार जर्ये श्री गोविन्द सहाय गुर्जर खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारों

(प्रार्थी)

बनाम

1. श्री संजय कुमार पुत्र मोहन लाल उम्र 36 वर्ष जाति किराड निवासी ग्राम नारायणखेडा तहसील शाहबाद जिला बारों (विक्रेता) मैसर्स विनोद कुमार, संजय कुमार मेहता हनुमान चौराहा समरानिया तहसील शाहबाद जिला बारों
2. श्री विनोद कुमार पुत्र मोहनलाल (मालिक) मैसर्स विनोद कुमार, संजय कुमार मेहता हनुमान चौराहा समरानिया तहसील शाहबाद जिला बारों
3. मैसर्स विनोद कुमार, संजय कुमार मेहता हनुमान चौराहा समरानिया तहसील शाहबाद जिला बारों
4. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री मथुरालाल सत्संग भवन की गली बारों (मालिक) मैसर्स गर्ग इन्टरप्राइजेज काबरा जी की गली बंक रोड बारों
5. मैसर्स गर्ग इन्टरप्राइजेज काबरा जी की गली बंक रोड बारों
6. श्री विशाल चौपडा (मालिक) मैसर्स टी इन्टरप्राइजेज 175 रेवेन्यू नगर बिचोली हपशी रोड इन्दोर म.प्र.
7. मैसर्स टी इन्टरप्राइजेज 175 रेवेन्यू नगर बिचोली हपशी रोड इन्दोर म.प्र. 452001

(अप्रार्थीगण)

जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2 (11)/52 एफएसएस एक्ट 2006 रूल्स 2011

उपस्थिति :- 1- श्री गोवर्धन सिंह ख्यालिया खा.सु.अ. (प्रार्थी)

2- श्री महेश प्रकाश गौतम अभिभाषक (अप्रार्थीगण)

निर्णय दिनांक 18.07.2023

प्रकरण राजस्थान सरकार जर्ये श्री गोविन्द सहाय गुर्जर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारों द्वारा इस आशय का पेश किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 29.06.2022 को मैसर्स विनोद कुमार, संजय कुमार मेहता हनुमान चौराहा समरानिया तहसील शाहबाद जिला बारों पर पहुंचा। वहाँ पर श्री संजय कुमार पुत्र श्री मोहनलाल किराड (विक्रेता) की हैसियत से उपस्थित था, कि उपस्थिति में निरीक्षण किया गया।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 29.07.2022 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य सम्पादित कर रहा हूँ और मुझे राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 29.11.2011 के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्रीमान आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन.स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राज. जयपुर के आदेश क्रमांक/एच/एफएसएसए/(एफ-28)नोटिफिकेशन/2012/172 दिनांक 01.02.2012 के अनुसार मुझे बास सील संख्या 93 आवंटित की गई एवं श्रीमान् आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियन्त्रण राज. जयपुर के आदेश दिनांक 09.06.2022 के द्वारा मुझे कार्यक्षेत्र जिला बारों आवंटित किया गया है और जिला बारों के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र मेरे कार्य क्षेत्र में आते हैं।

यह कि आवेदक द्वारा निरीक्षण किया जहाँ पर खाद्य पदार्थ **माउथ फ्रेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल पौली पैकिट 50 नग (एक पैकिट में 4 ग्राम के 50 पाउच)** आम जनता को विक्रय हेतु रखे हुए थे। मैंने अपना परिचय पत्र दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया। विक्रेता से मौके पर खाद्य पदार्थ **माउथ फ्रेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल पौली पैकिट** में मिलावट एवं मिथ्याछाप का शक होने पर नमूना लेने हेतु विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नं० 5ए की प्रति स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बारों द्वारा खाद्य पदार्थ **माउथ फ्रेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल 08 पौली पैकिट** वास्ते नमूना जांच हेतु खरीदे जिसकी कीमत श्री संजय कुमार पुत्र श्री मोहनलाल किराड (विक्रेता) को 400/- रूपये (अक्षरे चार सौ रूपये) नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर हैं तथा उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वयं आवेदक ने हस्ताक्षर किये जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक ने खरीदशुदा खाद्य पदार्थ **माउथ फ्रेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल 08 पौली पैकिट** को 2-2 के चार भागों में कर प्रत्येक भाग पर लेबल तैयार कर चिपकाये और लेबलों पर डी.ओ. के कोड एवं क्रमांक ए.एच.-1485 दर्ज किया। प्रत्येक लेबल पर स्वयं ने हस्ताक्षर किये एवं मालिक तथा गवाहान के हस्ताक्षर कराये। चारों नमूना भागों को अलग-अलग कागज में लपेट कर प्रत्येक नमूना भाग पर डी.ओ. बारों की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नं. ए.एच.-1485 नियमानुसार चारों नमूना भागों पर नीचे से ऊपर तक फेविकोल से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपड़ी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवे एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाह के हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर मेरे द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने जाचें में लिया।

आवेदक ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढकर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा, जिसे श्री संजय कुमार पुत्र श्री मोहनलाल किराड (विक्रेता) ने भी पढकर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये।

आवेदक ने कार्यालय पहुंच कर फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म नं० 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं एक प्रति फार्म नं० 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में स्वयं द्वारा खाद्य विश्लेषक, कोटा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की। जो आवेदन के साथ संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं० 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग मय फार्म नं० 6 की प्रति के अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारों को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्यायनिर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारों के पत्र क्रमांक/एफएसएसए/2022/154 दिनांक 20.07.2022 से ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 1040/PHL/Act/2022/1042 दिनांक 12.07.2022 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय किया गया खाद्य पदार्थ **माउथ फ्रेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल पौली पैक** मिथ्याछाप (**Misbranded**) होना पाया गया। रिपोर्ट आवेदन के साथ संलग्न है।

इस पर प्रकरण दिनांक 25.11.2022 को दर्ज रजिस्टर किया जाकर, अप्रार्थीगण को जर्ने रजिस्टर्ड सम्मन से तलब किया गया। अप्रार्थीगण द्वारा जरिये अभिभाषक उपस्थिति दी गई। प्रकरण में अप्रार्थीगण के अभिभाषक द्वारा जवाब प्रस्तुत किया गया जो शामिल पत्रावली किया जाकर, उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई।

राजस्थान सरकार जरिये प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बारां ने परिवाद में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि अप्रार्थीगण द्वारा जिस खाद्य पदार्थ **माउथ फ़ेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल पौली पैक** को वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय किया गया था, वह खाद्य विश्लेषक, कोटा की जांच रिपोर्ट में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 व विनियम, 2011 की धारा 3(1)(zx)(C)(i) के तहत **मिथ्याछाप(Misbranded)** होना पाया गया है। अप्रार्थीगण का उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(11) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम, 2011 की धारा 52 में निर्धारित है। अतः अप्रार्थीगण को भारी से भारी जुर्माने से दण्डित किया जावे।

अप्रार्थीगण के अभिभाषक द्वारा दौराने बहस प्रस्तुत जवाब के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि सक्षम अधिकार द्वारा खाद्य पदार्थ **माउथ फ़ेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल पौलीपैक** का नमूना लिया जाना बताया है। नमूना लेने में एफ.एस.एस. एक्ट व नियमों की अक्षर से पालना नहीं की गयी है। यह कि **माउथ फ़ेशनर खाद्य पदार्थ** की श्रेणी में नहीं आता है। यह कि नमूना लेने में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है। यह कि पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी द्वारा जांच रिपोर्ट दिनांक 12.07.2022 में शामिल की जांच 06.07.2022 से 22.07.2022 तक करना बताया है परन्तु रिपोर्ट के साथ इस अवधि में किए गए परीक्षण का नमूना प्रत्येक पृथक-पृथक तिथियों का दर्ज नहीं है। यह कि जिस आधार पर **मिस ब्रांडिंग** नमूने का घोषित किया गया है उसका कोई आधार जांच रिपोर्ट में दर्ज नहीं है। यह कि सक्षम अधिकारी की अभियोजन स्वीकृति नियमानुसार प्राप्त नहीं की गयी है। अतः जवाब पेश कर निवेदन है कि परिवाद निरस्त फरमाये जाने की कृपा करे।

प्रार्थी राजस्थान सरकार जयें खाद्य सुरक्षा अधिकारी बारां द्वारा कहा गया कि अप्रार्थीगण यदि खाद्य विश्लेषक, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 1040/PHL/Act/2022/1042 दिनांक 12.07.2022 से असन्तुष्ट था तो अप्रार्थी क्रम 01 को जयें पत्र सूचित किया जाकर एक माह का समय दिया गया था कि उक्त सेम्पल की पुनः जांच करवाये। किन्तु अप्रार्थी क्रम 01 द्वारा उक्त सेम्पल की पुनः जांच नहीं करवायी गई है।

प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई और पत्रावली का आद्योपान्त अवलोकन किया गया। प्रकरण में अप्रार्थीगण से वास्ते नमूना जांच हेतु क्रय किया गया खाद्य पदार्थ **माउथ फ़ेशनर पान फलेवर पी एण्ड डी मीठा पान मूल पौली पैक** खाद्य विश्लेषक, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 1040/PHL/Act/2022/1042 दिनांक 12.07.2022 के अनुसार, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स 2011 की धारा 3(1)(zx)(C)(i) के तहत **मिथ्याछाप (Mis Branded)** होना पाया गया। उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(11) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 रूल्स, 2011 की धारा 52 के तहत अप्रार्थीगण को कुल जुर्माना राशि 15,000/- रुपये (अक्षरे पन्द्रह हजार रुपये) के आर्थिक दण्ड से दण्डित किया जाता है। अप्रार्थीगण उक्त जुर्माना राशि ई-मित्र सेवा केन्द्र से चालान निकलवाकर, जरिये चालान बैंक में निर्धारित मद 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04 लोक स्वास्थ्य, 800 अन्य प्राप्तियां, 03 खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत अनुज्ञा पत्र शुल्क आदि में जमा करवाकर, चालान की प्रति इस न्यायालय में अन्दर एक माह प्रस्तुत करे।

निर्णय आज दिनांक 18.07.2023 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(सत्यनारायण आमेटा)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अति० जिला मजिस्ट्रेट,
बारां (राज.)